पाठ १२ फूली रोटी

कहानी का सारांश

इस कहानी में जमाल नाम का एक लड़का है जो अपनी माँ को रोटी बनाते हुए देखता है। उसे भी रोटी बनाना अच्छा लगता है। वह अपनी माँ से आटा माँगता है और रोटी बनाना शुरू कर देता है। उसे रोटी गोल नहीं बन रही थी। तब उसका मित्र जय उसे मदद करता है और उसे एक कटोरी देता है। जमाल कटोरी का इस्तेमाल करके रोटी को गोल बनाता है। उसकी माँ रोटी को सेंकती है और यह बहुत ही स्वादिष्ट बनती है। जमाल और जय मिलकर रोटी खाते हैं।

सीख:- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि दूसरों की मदद करना अच्छा होता है। जय ने जमाल की मदद करके उसे रोटी बनाने में सफल होने में मदद की। साथ ही, इस कहानी से हमें यह भी सीख मिलती है कि मेहनत करने से हम किसी भी काम को कर सकते हैं। जमाल ने मेहनत करके रोटी बनाना सीखा।
यह कहानी बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक कहानी है। यह बच्चों को बताती है कि मेहनत और दूसरों की मदद से हम किसी भी काम को कर सकते हैं।

शब्दार्थ:

- रसोई - खाना पकाने का स्थान
- खाना बनाना - भोजन तैयार करना
- माँ - माता
- आटा - गेहूं, जौ, या अन्य अनाज को पीसकर बनाया गया महीन पाउडर
- लोई - आटे का छोटा गोला
- बेलना - आटे को एक तल पर फैलाना
- सूखा आटा - आटे में पानी या अन्य तरल पदार्थ मिलाए बिना आटा
- कटोरी - एक गोल, प्याले के आकार का बर्तन
- घुमाना - किसी वस्तु को एक गोलाकार गति में स्थानांतरित करना
- सेंकना - किसी वस्तु को गर्म करके पकाना
- खुशी - आनंद

प्रश्न-अभ्यास

बातचीत के लिए

1. जमाल ने माँ से लोई माँगने के बाद क्या-क्या किया?

उत्तर:- जमाल ने माँ से लोई माँगने के बाद निम्नलिखित काम किए:

- उसने लोई को बेलना शुरू किया।
- उसने रोटी पर सूखा आटा लगाया।
- उसे रोटी गोल नहीं बन रही थी।
- तब उसके मित्र जय ने उसे कटोरी दी।
- कटोरी रखकर रोटी को गोल बना दी।

2. आप रोटी को गोल बनाने के लिए क्या करेंगे?

उत्तर:- रोटी को गोल बनाने के लिए मैं निम्नलिखित तरीके अपनाऊँगा:

- मैं रोटी को एक तरफ से बेलकर पतला कर दूँगा।
- फिर मैं रोटी को हाथों से गोल आकार में मोड़ दूँगा।
- या फिर मैं एक कटोरी का इस्तेमाल करूँगा। कटोरी को रोटी के ऊपर रखकर घुमा दूँगा।

3. 'फूली रोटी' की जगह पर यदि यह कहानी आपको 'फूली पूरी' के लिए बतानी हो, तो आप कैसे बताएँगे?

छोटे समूह में चर्चा कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए।

उत्तर:- पूरी को गोल-गोल बेल कर उसे तेल में तला जाता है।

- कहानी का शीर्षक "फूली पूरी" होगा।
- कहानी में "रोटी" शब्द के स्थान पर "पूरी" शब्द का प्रयोग होगा।
- कहानी में "रसोई" शब्द के स्थान पर "चौके" शब्द का प्रयोग होगा।
- कहानी में "माँ" शब्द के स्थान पर "माँजी" शब्द का प्रयोग होगा।

पढ़िए और मिलाइए

प्रश्नों और उनके उत्तरों को रेखा खींचकर जोड़िए –

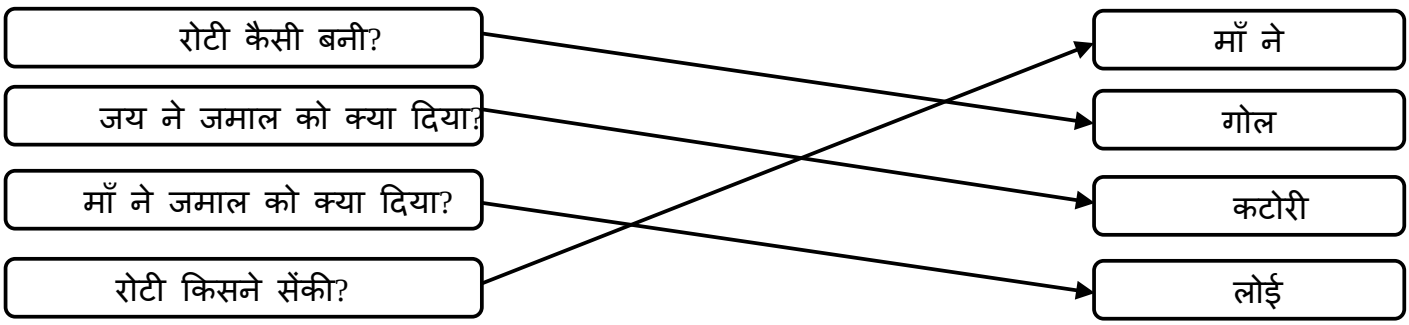

पहेली

बंद रहेगा

घर के बाहर जब जाते हैं,
लटकाते दरवाजे पर,
अगर नहीं खोलें हम इसको,
बंद रहेगा पूरा घर।
उत्तर:- ताला

हम पढ़ते हैं

मेरे बस्ते के भीतर है,
और मेज़ पर धरी हुई,
हम पढ़ते हैं, तुम पढ़ते हो,
तस्वीरों से भरी हुई।
उत्तर:- किताब

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों जैसे और शब्द बताइए। उन्हें लिखने का प्रयत्न कीजिए और पढ़कर सुनाइए –

रोटी = मोटी खोटी कोटी

फूली = कूली सूली मूली

आपने जो नए शब्द बनाए हैं, उन पर एक-एक वाक्य बनाइए –

- **मोटी** = मोटी बिल्ली को देखकर बच्चे हँसने लगे।
- **खोटी** = खोटी घड़ी हमेशा सही समय नहीं बताती है।
- **कोटि** = वह एक प्रथम कोटि का अफसर है।
- **कूली** = कूली बहुत मेहनती होता है।
- **सूली** = सूली पर चढ़कर अपराधियों को दंडित किया जाता है।
- **मूली** = मूली एक बहुत ही स्वादिष्ट सब्जी है।

2. एक-सी ध्वनियों से आरंभ होने वाले शब्दों को पहचानकर घेरा लगाइए –

जय	**जमाल**	**बुलबुल**	**जीत**
शरबत	**शीला**	**वीर**	**शेर**
डमरू	**थैला**	**डफली**	**डोर**
याद	**यमुना**	**मछली**	**यशोदा**

3. अलग ध्वनि से अंत होने वाले शब्दों को पहचानकर लिखिए –

रोटी	**छोटी**	**चोटी**	**गोल**	=	गोल
जय	**लय**	**भय**	**साँप**	=	साँप

4. इस कहानी में जय और जमाल हैं। ऐसे और नाम बताइए जिसमें 'ज' अक्षर हो–

उत्तर:- जयदीप जरीना ज्योति जयंत जान्हवी जसवीर

देखिए और लिखिए

1. 'झ', 'ख', 'ड़', 'ऊ' की पहचान कीजिए और अक्षर लिखिए –

झुला

झोपड़ी

खीलौना

पेड़

ऊँट

2. दिए गए अक्षरों को खोजिए और घेरा लगाइए –